**19. भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम के अधीन एक उत्तराधिकार प्रमाणपत्र के लिए आवेदनपत्र**

न्यायालय जिला न्यायाधीश ............................

भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम, 1925 के अधीन ............................ के मुद्दे में उत्तराधिकार प्रमाणपत्र के लिए आवेदनपत्र।

**श्रीमान्,**

**इसमें आवेदक अति सादर पूर्वक निम्नलिखित रूप में निवेदन करता है -**

1. यह कि कथित श्री .......... ............................पुत्र ............... ............................की मृत्यु तारीख .............. ............................को हो गयी।
2. यह कि कथित .............. ............................उसकी मृत्यु के समय पर साधारण तौर पर इस न्यायालय की अधिकारिता के अन्दर .............. ............................ में निवास करता था।
3. यह कि मृतक के कुटुम्ब के सदस्यगण तथा अन्य निकटवर्ती नातेदार है -
4. (यहाँ नाम एवम् उनके पते का उल्लेख करें)
5. यह कि आवेदक मृतक के विधिक वारिसों में से एक है।
6. यह कि अधिनियम की धारा 370 के अधीन या किन्हीं अन्य उपबंधों के अधीन या प्रमाण की मंजूरी की अन्य अधिनियमिति के अधीन या उसकी वैधता का कोई अवरोध नहीं है यदि यह मंजूर कर दिया जाता।
7. यह कि ऋण एवम् प्रतिभूतियाँ जिसकी बाबत आवेदन किया जाता है, है –

(इसमें ऋण की विवरिणी यदि कोई हो तो उसको एवम् प्रतिभूतियों को उपवर्णित करें)

**प्रार्थना**

अतएव, यह अतिसादर पूर्वक प्रार्थना की जाती है कि उत्तराधिकार प्रमाणपत्र कथित प्रतिभतियों को परक्राम्य बनाने के लिए अंतरित करने के लिए और या किसी के ब्याज लाभांश का संग्रह करने तथा उसको प्राप्त करने के लिए आवेदक को सशक्त बनाने वाला इसमें इसके ऊपर ऊपवर्णित ऋणों एवम् प्रतिभूतियों की बाबत मंजूर किया जाय। और कोई अन्य अनतोष जिसको यह आदरणीय न्यायालय मामले की परिस्थितियों में उपयुक्त या उचित समझता हो, भी याची को मंजूर किया जाय।

**वादी जरिये अधिवक्ता**

स्थान

तारीख

**सत्यापन**

मैं .................. एतद्द्वारा घोषणा करता हूँ, कि ऊपर वर्णित तथ्य मेरी / सर्वोत्तम जानकारी एवम् अनुतोष में सत्य एवम् सही है।

अंतिम पैरा इस आदरणीय न्यायालय ............................ के समक्ष प्रार्थना है।

............................में तारीख .................. को सत्यापित किया गया।

**वादी**